प्रथम अध्यक्षता और भेंट करने वाला शिक्षा संदेश, नवंबर 2013

प्रथम अध्यक्षता संदेश, नवंबर 2013

''मैं तुझे धोखा नहीं दूंगा, और न तुझ को छोडूंगा''

अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन द्वारा

हमारा स्वर्गीय पिता ... जानता है कि जब हम परिक्षाओं का सामना करते और इनसे उबरते हैं हम सीखते और विकसित होते और मजबूत बनते हैं ।

आज मैं अपनी दैनिकी, मैं लिखूंगा, ''यह किसी भी अन्य महा सम्मेलन के सत्रों में से एक अति प्रेरणादायक सत्र रहा है जिसमें मैंने भाग लिया है । प्रत्येक बात अति महान और अति आत्मिक रही है ।''

भाइयों और बहनों, छह महिने पहले, जब हम अपने महा सम्मेलन में मिले थे, मेरी प्रिय पत्नी, फ्रांसिस, कुछ दिनों पहले बुरी तरह गिरने के कारण अस्पताल में थी । मई में, कुछ हफ्तों के बाद, अपने घावों पर विजय पाने के लिए बहादूरी से लड़ते हुए, वह इस संसार से चली गई ।

मुझे उनकी बहुत याद आती है । हमारा विवाह साल्ट लेक मंदिर में 7 अक्टूबर 1948 में हुआ था । कल हमारे विवाह की 65वीं वर्षगांठ होगी । वह मुझे मेरे जीवन में सबसे प्रिय थी, वह मेरी सबसे भरोसेमंद साथी, और मेरी घनिष्ठ मित्र थी । यह कहना कि मुझे उनकी याद आती है मेरी भावनाओं की गहराई का एहसास नहीं करा सकती ।

यह सम्मेलन अध्यक्ष डेविड ओ. मकै द्वारा बारह प्रेरितों की परिषद के सदस्य के रूप में मेरी नियुक्ति के 50 साल दर्शाता है । इन सभी सालों में ऐसा समय कभी भी नहीं आया जब मुझे मेरी प्रिय पत्नी का पूरा और संपूर्ण समर्थन न मिला हो । उन्होंने अनगिनत बलिदान किए थे ताकि मैं अपनी नियुक्ति को अच्छी तरह कर सकूं । मैंने कभी भी उनसे शिकायत का एक शब्द नहीं सुना था जब मैं अक्सर दिनों और कभी-कभी हफ्तों के लिए उनसे और बच्चों से दूर रहता था । वह सचमुच में एक फरिशता थीं ।

मैं उन सबों का अपनी ओर से और अपने परिवार की ओर से आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने इतनी बड़ी संख्या में फ्रांसिस के चल बसने पर प्रेम व्यक्त किया था । उनकी प्रशंसा और सहानभूति को व्यक्त करते हुए संसार में हर जगह से सैंकड़ों पत्र और कार्ड हमारे परिवार को भेजे गए थे । हमें दर्जनों फूलों के गुलदस्ते मिले थे । हम उन अनगिनत योगदान का भी आभार व्यक्त करते हैं जो उनके नाम से गिरजे के जनरल प्रचारक कोष में दिये गए थे । हम सबों की ओर से जिन्हें वे पीछे छोड़ गई हैं, मैं आपकी दया और ह्रादिक अनुभूतियों का अत्याधिक आभार व्यक्त करता हूं ।

उनसे बिछुड़ने के इस नाजुक समय में एक बात जो मुझे सबसे अधिक दिलासा देती है, वह है यीशु मसीह के सुसमाचार की मेरी गवाही और ज्ञान जो मेरे पास है कि मेरी प्रिय फ्रांसिस अभी भी जीवित है । मैं जानता हूं कि हमारा बिछुड़ना अस्थाई है । हम उस अधिकार के द्वारा परमेश्वर के घर में मुहरबंद हुए थे जो पृथ्वी और स्वर्ग में बांधता है । मैं जानता हूं कि हम एक दिन फिर से मिलेंगे और दुबारा कभी अलग नहीं होंगे । यही ज्ञान मुझे शक्ति देता है ।

भाइयों और बहनों, यह भली भांति समझा जा सकता है कि कोई भी व्यक्ति पूर्णरूप से कष्ट और दुख के बिना नहीं रह सकता, न ही मानव इतिहास में कभी भी ऐसा समय था जिसमें अशांति और कष्ट न रहे हों । जब हम जीवन में खराब परिस्थितियों

का सामना करते हैं, हम यह प्रश्न पूछ सकते हैं ''मेरे साथ क्यों ?'' कई बार एक ऐसा लगता है कि इस दुख का कोई अंत नहीं है, हमारी परिक्षाओं से कोई छुटकारा नहीं । हम बिखरे हुए सपनों की निराशा और उम्मीदों के नष्ट होने की उदासी से घिर जाते हैं । हम बाइबिल की याचना को कहने में शामिल होते हैं, ''क्या गिलाद में कोई बाम नहीं है ? 1 हम बेसहारा, दुखी, अकेला महसूस करते है । हमें निराशा के प्रिज्म के द्वारा अपने व्यक्तिगत विपत्तियों को देखने की प्रवृति होती है । हम अपनी समस्या के समाधान के लिए व्याकुल हो जाते हैं, और भूल जाते हैं कि स्वर्गीय गुण धैर्य की अक्सर जरूरत होती है । हमारे पास जो कठिनाइयों आती हैं वे अंत तक सहन की हमारी योग्यता की असली परिक्षा लेने के लिए होती हैं । एक मूलभूत प्रश्न का उत्तर हम सबों को देना हैः क्या मैं हिम्मत छोड़ दूं, या क्या मैं इसे पूरा करूं ? कुछ हिम्मत छोड़ देते हैं जब वे स्वयं को उनकी चुनौतियों से उभरने के अयोग्य पाते हैं । पूरा करने के लिए जीवन के अंत तक सहना शामिल होता है ।

जब हम उन घटनाओं पर विचार करते हैं जो हम सबों के साथ होती हैं, अय्यूब के साथ हम कह सकते हैं, ''मनुष्य कष्ट भोगने के लिए बना है ।'' 2 अय्युब ''खरा और सीधा'' व्यक्ति था जो ''परमेश्वर के भय को मानता और बुराई से परे रहता था ।'' 3 अपने व्यवहार में धार्मिक, संपत्ति में धनी, अय्युब ने ऐसी परिक्षा का सामना किया था जो किसी का भी विनाश कर सकती थी । उसकी संपत्ति चली गई, उसके मित्रों ने उसका तिरस्कार कर दिया, अपने कष्टों से घिरा हुआ, अपने परिवार के बिछुड़ने से टुटा हुआ, उसे ''परमेश्वर की निंदा करने और मरने'' के लिए उकसाया गया था । 4

उसने इस बहकावे का सामना किया और अपनी आत्मा की गहराई से कहाः

''देखो, स्वर्ग में मेरा साक्षी है, और मेरा गवाह ऊपर है ।'' 5

''मुझे तो निश्चय है, कि मेरा छुड़ाने वाला जीवित है ।'' 6

अय्यूब विश्वासी था । क्या हम भी ऐसा ही करेंगे जब हम अपनी चुनौतियों का सामना करते हैं ?

जब कभी हम जीवन के बोझ तले दबे होना महसूस करते हैं, स्मरण रखें कि दूसरे भी ऐसे ही कठिन समय से गुजर चुके हैं, वे अंत तक सहनशील बने रहे और तब उन्होंने इस पर विजय प्राप्त की ।

गिरजे के इतिहास में, समय की परिपूर्णता का प्रबंध का समय, उनके उदाहरणों से भरा हुआ है जिन्होंने संघर्ष किया और फिर भी दृढ़ और खुश रहे । कारण ? उन्होंने अपना जीवन का केंद्र यीशु मसीह का सुसमाचार बना लिया था । यही हमें वह सब सहने की शक्ति देता है जिसे हम जीवन में अनुभव करते हैं । फिर भी हम कटिन चुनौतियों का सामना करेंगे, लेकिन हम हिम्मत से उनका सामना करेंगे, और इन पर विजय प्राप्त करेंगे ।

दर्द के बिस्तर से, आंसुओं से भरे तकिये से, हम उस दिव्य आश्वासन और बहुमूल्य प्रतिज्ञा के द्वारा स्वर्ग की ओर उठाये जाते हैं : ''न तो मैं तुझे धोखा दूंगा, और न तुझ को छोडूंगा ।'' 7 यह दिलासा अनमोल है ।

जैसा कि मैं अपनी नियुक्ति की जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए संसार भर की हर तरफ यात्रा करता हूं । मुझे बहुत सी बातों का पता चला है---उनमें यह सच्चाई भी शामिल है कि दुख और कष्ट सब जगह हैं । मैं उनके भावनात्मक दर्द और दुख का अंदाजा नहीं लगा सकता जो मैंने उनके घरों में देखा है जब मैं उनसे मिला जो दुख, रोग, तलाक, बेटे या बेटी के भटकने के संघर्ष, या पाप के परिणाम कष्ट झेल रहे हैं । सूची बहुत लंबी हो सकती है, क्योंकि अनगिनत समस्याएं हैं जिनका हम सामना करते हैं । केवल एक उदाहरण देना पाना कठिन है, और फिर भी जब कभी मैं चुनौतियों के बारे में सोचता हूं, मेरे विचार भाई ब्रैम्स की ओर चले जाते हैं, मेरे बचपन के रविवार विद्यालय शिक्षक । वह गिरजे के विश्वासी सदस्य थे, उनका दिल सोने का था । उसके और उसकी पत्नी के आठ बच्चे थे, उनमें से बहुत से उसी आयु के थे जो हमारे परिवार में होते हैं ।

फ्रांसिस और मेरे विवाह के बाद हम उस वार्ड में गये थे, हमने भाई और बहन ब्रैम्स और उनके परिवार के सदस्यों को विवाहों

और अंत्येष्टि के साथ-साथ वार्ड के समारोहों में देखा था 1968में भाई ब्रैम्स की पत्नी सैडी निधन हो गया था । वर्ष बीतने के साथ आठ बच्चों में से दो बच्चे भी गुजर गए ।

एक दिन लगभग 13साल पहले, भाई ब्रैम्स की सबसे बड़ी पोती ने मुझे फोन किया था । उसने समझाया कि उसके दादा अपने 105वें जन्मदिन में पहुंच गये थे । उसने कहा, ''वह एक छोटे देख-भाल केंद्र में रहते हैं लेकिन प्रत्येक रविवार को अपने पूरे परिवार से मिलते हैं, जहां वह सुसमाचार पाठ देते हैं ।'' उसने आगे कहा, ''पिछले रविवार को दादा ने हम से कहा था, 'मेरे प्यारों, मैं इस हफ्ते मरने वाला हूं । क्या तुम टॉमी मॉनसन को बता दोगे । उन्हें मालूम है क्या करना है ।' ''

अगली शाम मैं भाई ब्रैम्स से मिला । काफी समय से मैं उसे नहीं मिला था । मैं उन से बात नहीं कर पाया था क्योंकि वह सुन ने की शक्ति खो चुके थे । मैं उन्हें संदेश नहीं लिख सकता था क्योंकि उनकी आंखों की रोशनी भी चली गई थी । मुझे बताया गया था कि परिवार उनसे बात करने के लिए उनके दायें हाथ की उंगली से बायें हाथ की हथेली पर मिलने वाले व्यक्ति का नाम लिख जाता था । कोई भी संदेश इसी तरह उन्हें दिया जाता था । मैंने भी उसी प्रक्रिया को किया और उनकी हथेली पर उनकी उंगली से T-O-M-M-Y M-O-N-S-O-
N लिखा,जिस नाम से वह मुझे पहचानते थे । भाई ब्रैम्स बहुत उत्साहित हो गए और उन्होंने मेरा हाथ लिया और अपने सिर पर रख दिया । मैं जानता था कि उनकी इच्छा पौरोहित्य आशीष पाने की थी । जो ड्राइवर मुझे वहां ले गया था उसने मेरे साथ अपने हाथों को भाई ब्रैम्स के सिर पर रखा और आशीष दी । बाद में, उसकी दृष्टिहीन आंखों में आंसु की धारा फूट निकली । उसने आभारी होकर हमारे हाथों को पकड़ा था ।

यद्यपि उन्होंने आशीष को नहीं सुना था, लेकिन आत्मा ने इसे दृढ़ता से महसूस किया था, और मुझे विश्वास है वह जान गया था कि उसे आशीष दे दी गई थी जिसकी उसने आशा की थी । यह प्यारा इंसान देख नहीं सकता था । वह सुन नहीं सकता था । वह रात और दिन एक छोटे कमरे में कैद होकर रह गया था । फिर भी उसके चेहरे पर मुस्कराहट और जो शब्द उसने बोले , मेरे दिल को छू गये । ''धन्यवाद,'' उसने कहा,''मेरा स्वर्गीय पिता ने मेरा बहुत भला किया है ।''

एक हफ्ते के भीतर, ठीक जैसे भाई ब्रैम्स ने कहा था, वे चल बसे । उसने कभी उन के बारे में नहीं सोचा जो उसके पास नहीं था, असल में, वह हमेशा उसकी महान आशीषों का आभारी रहा था ।

हमारा स्वर्गीय पिता, जो हमें खुश होने के लिए इतना कुछ देता है, यह भी जानता है कि जब हम परिक्षाओं का सामना करते और इनसे उबरते हैं हम सीखते और विकसित होते और मजबूत बनते हैं । हम जानते हैं कि ऐसे समय होंगे जब हम अत्यंत दुख का अनुभव करेंगे, जब हम कष्ट सहेंगे, और जब हमारी सीमाओं की परिक्षा ली जाएगी । फिर भी, ऐसी कठिनाइयां हमारी भलाई के लिए हमारे अंदर परिवर्तन करती हैं, हमारे जीवन का फिर से उस तरह से निर्माण करती जैसा हमारा स्वर्गीय पिता हमें सीखाता है, और हम पहले से कुछ भिन्न बन जाते हैं--- पहले से बेहतर, पहले से अधिक समझ, पहले से अधिक दयालु, पहले से मजबूत गवाही ।

हमारा यही उद्देश्य होना चाहिए---न केवल सुरक्षित रहना और अंत तक सहना, बल्कि आत्मिकरूप से अधिक शुद्ध होना जब हम अच्छे और बुरे समय से गुजरते हैं । यदि उबरने के लिए चुनौतियां और हल करने के लिए समस्याएं न हो, तो हम हमेशा वहीं रहेंगे जहां हम आज हैं, अनंत जीवन के हमारे लक्ष्य की ओर कम या कोई प्रगति नहीं होगी । कवि ने कुछ ऐसे ही विचार इन शब्दों में कहे हैंः

अच्छा तना सरलता से बड़ नहीं होता,

जितनी तेज वायु चलती है, उतनी ही मजबूत वृक्ष होते हैं ।

जितना ऊंचा आकाश होता है, उतनी ही ऊंची लंबाई होती है,

जितना कठोर तूफान होता है, उतना ही कठोर ताकत होती है ।

धूप और ठंड द्वारा, वर्षा और बर्फ द्वारा,

वृक्षों में तना और मनुष्य में चरित्र का निर्माण होता है । 8

हमारी परिक्षाओं, हमारे दुख, और हमारे कष्ट की गहराई, केवल हमारा स्वामी जानता है । केवल वही हमें कठिन समय में अनंत शांति देता है ।

केवल वही हमारी दुखी आत्मा को अपने दिलासा भरे वचनों से छूता है :

''हे सब परिश्रम करने वालों और बोझ से दबे लोगों मेरे पास आओ मैं तुम्हें विश्राम दूंगा ।

''मेरा जुआ अपने ऊपर उठा लो, और मुझ से सीखो, क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूं और तुम अपने मन में विश्राम पाओगे ।

''क्योंकि मेरा जुआ सहज और मेरा बोझ हल्का है ।'' 9

चाहे यह उत्तम समय हो या सबसे खराब समय, वह हमारे साथ है । उसने वादा किया है कि वह कभी बदलेगा नहीं ।

मेरे भाइयों और बहनों, क्या हम अपने स्वर्गीय पिता से प्रतिज्ञा करेंगे जोकि न तो समय के साथ न ही हमारे जीवन की चुनौतियों के अनुसार बदलता है । उसे याद करने के लिए हमें कठिनाइयों से गुजरने की जरूरत नहीं है, और उसे अपना विश्वास देने के लिए हमें दीन होने के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए ।

हम हमेशा अपने स्वर्गीय पिता के निकट होने का प्रयास करें । ऐसा करने के लिए, हमें प्रतिदिन उससे प्रार्थना करनी चाहिए और उसे सुनना चाहिए । हमें वास्तव में उसकी हर क्षण जरूरत होती है, चाहे ये उत्तम समय हो या कठिनाइयों भरा समय । हमें हमेशा उसके वचन का स्मरण रखना चाहिएः ''मैं तुझे धोखा नहीं दूंगा, और न तुझ को छोडूंगा ।'' 10

अपनी आत्मा की संपूर्ण ताकत से, मैं गवाही देता हूं कि परमेश्वर जीवित है और हमसे प्रेम करता है, कि उसका एकलौता पुत्र हमारे लिए जीया और मारा गया, और कि यीशु मसीह का सुसमाचार ही वह प्रकाश है जो हमारे जीवन के अंधकार में रोशनी देती है ।

यह हमेशा हमारे जीवन में रोशनी देती रहे, मैं यह प्रार्थना यीशु मसीह के पवित्र नाम में करता हूं, आमीन ।

विवरण

1. यिर्मयाह 8:22 ।
2. अय्यूब 5:7 ।
3. अय्यूब 1:1 ।
4. अय्यूब 2:9 ।
5. अय्यूब 16:19 ।
6. अय्यूब 19:25 ।
7. यहोशू 1:5 ।
8. Douglas Malloch, "Good Timber," quoted in Sterling W. Sill, *Making the Most of Yourself* (1971), 23 ।
9. मत्ती 11:28–30 ।
10. यहोशू 1:5 ।

© 2013 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/12 । अनुवाद अनुमतिः 6/12 । 10671 294 का अनुवाद

हमारे समय के लिए शिक्षाएं

प्रत्येक माह के चौथे रविवार पर मलकिसिदक पौरोहित्य और सहायता संस्था सभाएं, ''हमारे समय के लिए शिक्षाएं'' के लिए समर्पित रहना जारी रहेंगी । प्रत्येक पाठ हाल की महा सम्मेलन में दी गई एक या अधिक वार्ताओं में से तैयार किया जा सकता है (नीचे चार्ट देखें) । स्टेक और जिला अध्यक्ष उन वार्ताओं का चयन कर सकते हैं जिनका उपयोग किया जाना है, या वे इस जिम्मेदारी को धर्माध्यक्षों और शाखा अध्यक्षों को दे सकते हैं । मार्गदर्शकों को मलकिसिदक पौरोहित्य भाइयों और सहायता संस्था बहनों को एक ही वार्ता का अध्ययन एक ही रविवार को अध्ययन करने की उपयोगिता पर जोर देना चाहिए ।

वे जो चौथे-रविवार पाठ में उपस्थित होते हैं उनसे कक्षा में हाल की महा सम्मेलन की पत्रिका की प्रति लाने के लिए उत्साहित किया जाता है ।

वार्ताओं से पाठ तैयार करने के लिए सुझाव

सामग्रियों का उपयोग करने का विचार आए, लेकिन सम्मेलन वार्ताएं ही स्वीकृत पाठ्यक्रम हैं । आपका कार्यभार गिरजे की हाल की जनरल कांफ्रेंस में सीखाए सुसमाचार को सीखने और जीने में दूसरों की मदद करना है ।

वार्ता(ओं) की समीक्षा करें, उन नियमों और सिद्धांतों की खोज करें जो कक्षा के सदस्यों की जरूरतों को पूरा करती है । कहानियों, धर्मशास्त्र संदर्भो, और वार्ता(ओं) के कथनों की खोज करें जो आपको इन सच्चाइयों को सीखाने में मदद करेंगे ।

नियमों और सिद्धांतों को सीखाने के लिए एक रूप-रेखा बनाएं । आपकी रूप-रेखा में वे प्रश्न शामिल होने चाहिए जो कक्षा के सदस्यों की मदद

करेंगे :

वार्ता(ओं) में नियमों और सिद्धांतों की खोज करें ।

उनके अर्थ के बारे में विचार करें ।

समझ, विचार, अनुभवों, और गवाहियों को बांटे ।

इन नियमों और सिद्धांतों को उनके जीवन में लागू करें ।

महिने पाठ सीखाए जाते हैं

चौथा-रविवार पाठ सामग्री

अक्टूबर 2013--अप्रैल 2014

अक्टूबर 2013 जनरल कांफ्रेंस* में दी गई वार्ताएं

अप्रैल 2014--अक्टूबर 2014

अप्रैल 2014 जनरल कांफ्रेंस* में दी गई वार्ताएं

अप्रैल और अक्टूबर के चौथे रविवार पाठ के लिए, पिछली या हाल की कांफ्रेंस से वार्ता(एं) चुनी जा सकती हैं । ये वार्ताएं कई भाषाओं में

conference.lds.org पर उपलब्ध हैं ।

भेंट करने वाला शिक्षा संदेश, नवम्बर 2013

आओ,हमारे साथ जुड़ो

अध्यक्ष डिटयर एफ. उकडॉर्फ द्वारा

प्रथम अध्यक्षता में द्वितीय सलाहकार

आपकी परिस्थियों के बावजूद,आपका व्यक्तिगत इतिहास, या आपकी गवाही की शक्ति, इस गिरजे में आपके लिए यहां एक कमरा है ।

एक बार एक आदमी ने सपना देखा कि वह एक बड़े से हॉल में है जहां पर संसार के सारे धर्म एकत्रित हैं । उसने एहसास किया कि हर धर्म में कुछ अधिक है जोकि इच्छानुसार और योग्य लगता है ।

वह एक सुन्दर दम्पत्ति से मिला जो अन्तिम दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर का प्रतिनिधित्व कर रहे थे और पूछा, "आपको अपने सदस्यों के लिए क्या चाहिये ?"

" *हमें* किसी चीज की आवश्यकता नहीं है," उन्होंने जवाब दिया," परन्तु *प्रभु* चाहता है कि हम सभी अर्पण करें ।"

दम्पत्ति गिरजे की बुलाहट, घर और भेंट करने वाले शिक्षक,पूरे समय के प्रचारक, साप्ताहिक घर पारिवारिक संध्या, मन्दिर कार्य, वेलफ्रयार और हुमिनटेरियान सेवा, और सीखाने के कार्य के बारे में समझते चले गए ।

"क्या आप सभी कामों के लिये अपने लोगों का भुगतान करते हैं?"व्यक्ति ने पूछा ।

"अरे, नहीं," दम्पत्ति ने समझाया था । " वे अपना समय स्वंतत्रता से देते हैं । "

"और भी," दम्पत्ति ने बोलना जारी रखा,"प्रत्येक छः महीने में, हमारे गिरजे के सदस्य सप्ताह के अन्त में 10 घण्टों की जनरल सम्मेलन को देखते या भाग लेते हैं ।"

"दस घण्टे लोग वार्ता देते रहते हैं ?" व्यक्ति अचंभित हुआ ।

"आप के साप्ताहिक गिरजाघर सभा का क्या होता है? वे कितनी लम्बी होती हैं ?"

" प्रत्येक रविवार, तीन घण्टें !"

"अरे, व्यक्ति ने कहा ।"क्या आपके गिरजे के सदस्य वे सब करते है जो आप कहते है ?"

"यह भी और भी है । हम ने अब तक परिवार इतिहास, युवा केम्प, डिवोशनलस,धर्मशास्त्र अध्ययन, मार्गदर्शको की परीक्षण, युवा गतिविधियां,तड़के सुबह की सेमनारी, ईमारतों की देखभाल, और अवश्य ही प्रभु के स्वस्थ नियम, उपवास गरीबों की सहायता के लिए, और दसमाशं के बारे में अभी तक बताया नहीं है ।"

व्यक्ति ने कहा, " अब मैं परेशान हूं । क्यों कोई ऐसा गिरजा में जाना पसन्द करेगा ?"

दम्पत्ति मस्कुराए और बोले, "हमने सोच आप कभी नहीं पूछेगें । क्यो कोई ऐसे गिरजे से जुड़ेगा ?

इस समय पूरे संसारभर में कई गिरजे विशेष रुप से सदस्यों के कम होने का अनुभव कर रहे है, अन्तिम दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर--बहुत के तुलना में छोटा ही-- संसारभर में तेजी से उभरते हुए गिरजाघरों में से एक है । जैसे सितम्बर 20 13 में संसारभर में 15 लाख से कही अधिक गिरजा के सदस्य हैं ।

इसके कई कारण है, परन्तु क्या मैं कुछ को बताऊं ?

उद्धारकर्ता का गिरजाघर

पहला, इस गिरजे की पुन-स्थापना हमारे दिन में यीशु मसीह के द्वारा स्वंम की गई थी । यहां पर आप उसके नाम के अधिकार से काम करना -- पापों से मुक्ति के लिए बपतिस्मा लेना,पवित्र आत्मा के उपहार की पुष्टी, और पृथ्वी पर और स्वर्ग में मोहर बन्ध होना पाएगें ।1

जो इस गिरजे से जुड़ते है वे उद्धारकर्ता यीशु मसीह से प्रेम करते हैं और उसका अनुसरण करना चाहते हैं । वे ज्ञान में आनन्द लेते है कि परमेश्वर दूबारा से मानवजाति से बात करने लगा है । जब वे पवित्र पौरोहित्य धर्मविधियां प्राप्त करते हैं और परमेश्वर से अनुबधं बनाते है, वे उस की शक्ति को अपने अन्दर महसूस कर सकते हैं । 2 जब वे पवित्र मन्दिर में प्रवेश करते हैं, वे अपने आप को उसकी उपस्थिती में पाने का अनुभव करते हैं । जब वे पवित्र धर्मशास्त्र का अध्ययन करते है 3 और उसके भविष्यवक्ताओं की शिक्षाओं पर जीते हैं, वे उद्धारकर्ता के और नजदीक हो जाते हैं जिससे वे प्रेम करते हैं ।

एक सक्रिय विश्वास

दूसरा कारण गिरजा अच्छे काम करने के मौके प्रदान करता है ।

परमेश्वर में विश्वास प्रशंसनीये है,परन्तु बहुत से लोग और अधिक करना चाहते है प्रायः प्रेरणाभरे संदेशो को सुनना या [अपने] घर को ऊपर बनाने का ''सपना देखने से कही ज्यादा''। 4 वे अपने विश्वास को काम में लाना चाहते हैं । वे अपने असतीनों को ऊपर चढ़कर और ऐसे महान कारणों में लग जाते हैं ।

और ऐसा तब होता है जब वे हमारे साथ जुड़ जाते हैं--उनके पास उनके हुनर को निखरने के, दया करुणा, और अच्छे कामों के लिए बहुत से अवसर होते हैं । क्योंकि हमारे संसारभर की कलीसीया में हमारे पास भुगतान करने के कोई स्थानिये पादरी नहीं होते हैं, हमारे सदस्य ही सेवा करने के कामों को खुद ही करते हैं । उन्हें प्रेरणा के द्वारा बुलाया जाता है । कभी कभी हम स्वयेंच्छा से करते हैं, कभी *कभी* हम स्वमं सेवक होते है । हम काम को बोझ की तरह नहीं लेते है परन्तु अनुबंध को पूरा करने के हम खुशी से परमेश्वर और उसके बच्चों की सेवा करने के मौके पाते हैं ।

आशीषों का खजाना

एक तीसरा कारण क्यो कर लोग गिरजे से जुड़ते है क्योंकि शिष्यता के पथ पर चलने से बहुमुल्य आशीषें मिलती है ।

हम बपतिस्में के रुप में शिष्यता की अपनी यात्रा की शुरुआत का बिन्दू देखते हैं । हमारा रोज़ यीशु मसीह के साथ चलना शान्ति और जीवन के उदेश्य की ओर, और गहन खुशी और संसार में अनन्त उद्धार के आने की ओर ले जाता है ।

जो कोई इस पथ पर विश्वासी होकर अनुसरण करते है कई कठिनाईयों, दुःखों,और जीवन के पछतावे से दूर रहते हैं ।

आत्मा से निंबल और हृदय से ईमानदार रहने से यहां पर ज्ञान का बड़ा खजाना प्राप्त होता है ।

जो कोई पीड़ित या दुखित हो को चगांई मिलेगी यहाँ पर ।

जो कोई पाप के बोझ से भरे हैं को क्षमादान, आजादी, और आराम मिलेगा ।

वे जो चले जाते है सच्चाई के लिए खोज कई हजारो लोगों को अन्तिम दिनों के सन्तों का यीशु मसीह के गिरजाघर की ओर ले आती है । यहां तक कि, यहां पर कई है जो कभी इस गिरजे से प्रेम करते थे को छोड़कर चले जाते हैं ।

किसी ने पूछना चाहा, ''अगर सुसमाचार इतना अद्भूत है, तो क्योंकर कोई छोड़कर चला जाता है ?''

कभी कभी हम सोचते है यह नाराजगी या सूस्ती या पाप के कारण से होगा । वास्तविक्ता में, यह इतना आसान नहीं है । यहां

तक, इसका कोई एक कारण नहीं होता है जोकि विभिन्न परिस्थियों में लागू होता हो ।

हमारे कुछ प्रिय सदस्य सालो साल प्रश्न के साथ संर्घष करते हैं चाहे वे अपने आप को गिरजे से अलग रखें ।

इस गिरजे मे व्यक्तिगत स्वतंत्रता को बहुत मजबूत माना जाता है, जिसको एक युवक द्वारा पुनस्थापित किया गया था जिसने प्रश्न पूछा था और उत्तरो को ढुढ़ा था, हम उनका जो सच्चाई को ईमानदारी खोजते हैं । यह हमारे हृदयों को तोड़ता है जब उनकी यात्रा उन्हें गिरजे से दूर ले जाती है हम प्रेम करते है और सच्चाई जिसे हम पाते है, परन्तु हम उनकी सर्वशक्तिमान परमेश्वर की आराधना उनके अपने अर्न्तात्मा के निर्देश से करने का आदर करते हैं, वैसे ही जैसा हम अपने खुद के लिये करते हैं ।5

अनुत्तरित प्रश्न कुछ लोग चीजो के बारे में अनुत्तरित प्रश्नों के साथ संर्धष करते हैं कि यह होना ही था या अतीत में कहा गया था। हम प्रत्यक्ष रुप से जानते है कि लगभग गिरजा इतिहास के 200 सालों में-- बाधारहित प्रेरणा की रेखा,आदर,और पवित्र घटनाएं के साथ--वहां पर कुछ बातें कही और कराई जाती जोकि लोगों के प्रश्नों का कारण हो सकती है ।

कभी कभी प्रश्न उठते है क्योंकि हमारे पास आसानी से दी जाने वाली सारी जानकारी नहीं होती है और हमें थोड़े से धैर्य की जरुरत होती है । जब पूरा सच आखिरकार जान लिया जाएगा ,बातें पहले जिनका कोई मतलब हमारे लिए नहीं होता था हमारी तस्सली के लिए सुलझाई जाएगी ।

कभी कभी अलग अलग राय होती हैं वास्तविक ''कारणों'' से हटकर । कुछ के लिये प्रश्न जोकि शंका उत्पन्न करते है, ध्यानपूर्वक जाँच के बाद, दूसरों में विश्वास बनाते हैं ।

अपूर्ण लोगों की गलतीयां और, स्पष्टतापूर्ण, वो भी समय था जब सदस्य या मार्गदर्शक गिरजाघर में असानी से गलतियां करते थे । यहां पर ऐसी बातें होती है जो कही या कराई जाती है जो हमारे मुल्यों, नियमों, या सिद्धान्तों के साथ मेल नहीं खाते हैं ।

मेरा मानना है कि गिरजा सिर्फ तब ही सम्पूर्ण होता है अगर इसे सम्पूर्ण लोगों द्वारा चलाया जाएं । परमेश्वर सम्पूर्ण है, और उसके सिद्धान्त शुद्ध हैं । परन्तु वह हमारे द्वारा ही काम करता है--उसके अपूर्ण बच्चे--और अपूर्ण लोग गलतियां करते है ।

मॉरमन की पुस्तक में हम पढ़ते हैं,''और अब,यदि कोई त्रुटि होगी वह किसी मनुष्य की ही होगी,इसलिए, परमेश्वर की चीजों की निन्दा न करें,कि तुम मसीह के न्याय की कुर्सी के समाने दोषराहित पाए जाओ ।'' 6

यही रास्ता है यह हमेशा से था और सम्पूर्ण दिन तब तक रहेगा जब मसीह स्वंम व्यक्तिगत तरह से पृथ्वी पर शासन करेगा ।

यह र्दुभाग्यवश है, कि कुछ लड़खड़ाते है क्योंकि इन्सान ही गलतीयां करता है । परन्तु इसके बावजूद, अन्तिम दिनों के सन्तों का यीशु मसीह के गिरजाघर और पुनस्थापित अनन्तता की सच्चाई पाई जाती है को तोड़ा,घटाया, या नष्ट नहीं किया जा सकता है ।

प्रभु यीशु मसीह के प्रेरित के रुप में और एक जो परिषद में प्रथम दिखाई देते है और इस गिरजे के लिए काम करते हैं, मैं गम्भीरता से साक्षी देता हूं कोई भी विशेष परिणाम इस गिरजे को प्रभावित नहीं करता है या इसके सदस्य कभी भी बिना उत्सुकता से प्रेरित होकर,मार्गदर्शन से, अपने अनन्त पिता की प्रशंसा को ढूढते है । यह है अन्तिम दिनों के सन्तों का यीशु मसीह का गिरजाघर । परमेश्वर अपने गिरजे को उसके बताए रास्ते से ना ही उसके पवित्र नियति को पूरा होने में असफल नहीं होने की अनुमति देगा ।

यहां पर तुम्हारे लिये कमरा है उनके लिये जिन्होंने गिरजे से खुद को अलग लिया है, मैं कहता हूं मेरे प्रिय दोस्तों, आप के लिये अभी यहां पर एक जगह है ।

आए और अपने हुनर को जोड़े, उपहारों से, और हमारी ऊचां से । परिणाम स्वरुप हम सभी और बेहतर होगें ।

कोई पूछना चाहेगा, ''लेकिन मेरी शंका का क्या हुआ ?''

यहां प्रश्न होना स्वाभविक है--फल से परिपूर्ण इमानदारी की जानकारी अक्सर फुट निकलती और समझदारी के बड़े बतूल के पेड़ में पलती बड़ती है । यहां पर कुछ गिरजे के सदस्य है, जो एक समय या दूसरे में, गम्भीर या संवेदनशील प्रश्नों के साथ कड़ा संर्धष नहीं करते हैं । गिरजे का एक उदेश्य है विश्वास के बीज़ का पोषण और ध्यानपूर्वक बढ़ना-- यहां तक कभी कभी शक और शुभा की दायरे में भी । विश्वास सभी बातों की आशा है जो दिखाई नहीं देती परन्तु जो सत्य है । 7

इसलिए,कृपया से, पहले आप अपने शक पर शक करें अपने विश्वास पर नहीं । 8 हमें कभी भी शक के कैद में हमें रखने की और हमें पवित्र प्रेम से,शान्ति, और उपहारों से जोकि प्रभु यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा आता है से अलग रखने का अनुमति नहीं देनी चाहिए ।

कोई कहना चाहेगा , ''मैं गिरजे के अन्दर आप लोगों के साथ मेल नहीं खाता हूं ।''

यदि आप अपने हृदयों में झंक सकते हैं,आप पाएंगें आप वहां अच्छे है जितना आप सोच भी नहीं सकते हैं । आप आर्श्चयचकित होगें यह जानकर कि हमारे पास भी आप के समान वैसा ही लालसा और संर्धष और आशा होती है । आपका रहन सहन या पालन पोषण भिन्न हो सकता है उन कई अन्तिम दिनों के सन्तों से जिन्हें आप देखते हैं, परन्तु यह आशीष हो सकती है । भाई यों और बहनों, प्रिय मित्रों, हमें आपके अद्भुत हुनर और दृष्टिकोण की आवश्यकता है । विभिन्न व्यक्ति और संसारभर के लोग इस गिरजे की शक्ति है ।

कोई कहना चाहेगा, '' मैं नहीं समझता मैं आप के स्तर तक जी सकुंगा ।''

और भी कई कारण है आने के! गिरजे को अपुर्ण, संर्धष करने वाले, और थके हुआ के पोषण के लिये बनाया गया है । यह उन सभी लोगों से भरा हुआ है जो आज्ञाओं का पालन अपने सारे हृदय से करने की इच्छा करते हैं, यहां तक कि वे इस में *पूर्ण* नहीं है ।

कोई कहना चाहेगा, ''मैं आपके गिरजे के एक सदस्य को जानता हूं जो ठोंगी है । मैं कतई गिरजे से नहीं जुडूगां जिस का कोई सदस्य ऐसा हो ?

यदि आप ठोंगी की परिभाष करें जैसे कोई जो पूर्णता से जीने में असमर्थ हो जिसपर वह भरोसा करता हो, तब हम सभी ठोंगी है । हम में से कोई भी मसीह की तरह नहीं है जैसे हम जानते है और जानना चाहिए । हमें गम्भीरता से इच्छा करनी है अपने गलतीयों और पाप करने की इच्छा से ऊपर उठना है और यीशु मसीह के प्रायश्चित की मदद के साथ और अच्छा बनना है ।

यदि यही आपकी इच्छाएं है,आपकी परिस्थियों के बावजूद,आपका व्यक्तिगत इतिहास, या आपकी गवाही की शक्ति,यहां गिरजे में आपके लिए एक कमरा है । आओ,हमारे साथ जुड़ो !

आओ,हमारे साथ जुड़ो !

हमारे मानव अपूर्णता के बावजूद, मुझे यकीन है कि आप इस गिरजे में सदस्यों के मध्य कुछ बेहतरीन आत्माओं को पाएगे जिसे यह संसार देता है । यीशु मसीह का गिरजाघर अच्छे और ध्यान रखने वाले, ईमानदार और मेहनतीयों की ओर आर्कषित करता है ।

यदि आप समपुर्ण लोगों को यहां पाने की इच्छा करते है,आप निराशा होगें । परन्तु यदि आप मसीह का शुद्ध सिद्धान्त को दृढ़ रहे हैं, परमेश्वर के वचन ''जोकि जख्मी आत्मा की चंगाई,''9 और पवित्र आत्मा के पवित्र प्रभाव को, तो आप इसे यहां पाएगें । इस युग में घटता विश्वास-- इस युग में जहां कई सारे स्वर्ग से दूर होते है---यहां पर आप लोगों को जो अपने उद्धारकर्ता के

पास परमेश्वर और अनुसरण करने वालों की सेवा करके, जैसे आप करते हैं को पाएगें । आओ, हमारे साथ जुड़ो !

क्या तुम भी चले जाना चाहते हो ?

मैं उद्धारकर्ता के जीवन के समय को याद करता हूं जब बहुत से उसे छोड़कर चले गएं थे । 10 यीशु ने अपने बारह शिष्यों से पूछा था :

"क्या तुम भी चले जाना चाहते हो ?

"शमौन पतरस ने उसका उत्तर दिया, हे प्रभु,हम किस के पास जाएं? अनन्त जीवन की बातें तो तेरे पास ही हैं ।"11

यहां समय है जब हमारे पास भी सामान्य प्रश्न उत्तर देने के लिए होते है । "क्या तुम भी चले जाना चाहते हो ? या हम भी, पतरस के समान, अनन्त जीवन की बातें को क्षमता से पकड़ के रखना हैं ?

यदि आप सच्चाई को खोजते है, और विश्वास के काम को परिवर्तित करते हैं, यदि हम उस की चीजों को रखने के स्थान को ढुढ़ ते हैः आओ,हमारे साथ जुड़ो !

यदि आप ने एकबार के पकड़ विश्वास को छोड़ दिया है : वापस आओ दोबारा । हमारे साथ जुड़ो !

यदि आप को छोड़ने का लालच दिया गया : थोड़ी देर और रुके । यहां पर आप के लिए कमरा है ।

मैं आप सब जो इन शब्दों को सुन या पढ़ रहें हैं से अनुग्रह करता हूंः आओ,हमारे साथ जुड़ो । आओ मसीह की शान्त बुलाहट को सुनो । अपना क्रुस उठाओ और उसका अनुसरण करो । 12

आओ,हमारे साथ जुड़ो ! यहां पर आप पाएगे जो अमुल्य है कीमत से परे ।

मैं गवाही देता हूं कि आपको यहां पर अनन्त जीवन के शब्द, मुक्ति के आशीष का वादा, और शान्ति के मार्ग का आनन्द मिलेगा ।

मैं नम्रतापूर्वक प्रार्थना करता हूं कि आप की स्वंम की सच्चाई के लिए खोज आप के हृदयों की कामना होगी के आओ,हमारे साथ जुड़ो । यीशु मसीह के नाम में, आमीन ।

टिप्पणी

1. देखें मत्ती 6:18--19, इलामन 10:7 ।
2. देखें सिद्धान्त और अनुबंध 84:20 ।
3. देखें 2 नेफी 33:10 ।
4. देखें "Have I Done Any Good?" *Hymns,* no. 223.
5. देखें विश्वास के अनुच्छेद 1:11 ।
6. मॉरमन की पुस्तक का शीर्षक पृष्ट; देखें मॉरमन 8:17 ।
7. देखें इब्रानियो 11:1; अलमा 32:21 ।
8. देखें F. F. Bosworth, *Christ the Healer* (1924), 23.
9. याकूब 2:8 ।
10. देखें यूहन्ना 6:66 ।
11. यूहन्ना 6:67—68 ।
12. देखें मत्ती 16:24 ।

© 2013 द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/12 । अनुवाद अनुमतिः 6/12 । अनुवाद 10366 294 का ।